severely affecting public transport and agriculture;

(b) if so, whether Government has supplied the requisite quota of diesel to West Bengal in the months of January and February; and

(c) if not, what steps have been taken to supply the necessary quantity now?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) Due to the agitation in Assam and consequent closure of the three refineries located in that State and Barauni Refinery in Bihar, the availability of high speed diesel oil (HSD) in many of the States, including West Bengal, was affected. The State Government was advised to give highest priority to agriculture. Some effect may have been felt on public transport.

(b) The following are the details of sales of HSD for the months of January and February 1980 and the allocations for March, 1980 for West Bengal:—

Month	Quantity in metric tonnes
January /80 . .	50619 (approximately)
February /80- . .	50078 (approximately)
March /80 (allocations) .	61000 (approximately)

The State Government had been asking for additional allocations of HSD from time to time. It is not possible to indicate the percentage of demand that has been fulfilled.

(c) The allocation of HSD for March 1980 has already been increased substantially.

आलुओं को सुरक्षित रखने हेतु शीतागारों के लिए अतिरिक्त शीत संयंत्रों का लगाया जाना

781. श्री राम लाल राही :

क्या ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का बिजली की कमी के कारण शीतागारों को दी जाने वाली बिजली में कटौती करने का कोई विचार है ;

(ख) यदि हां, तो आलुओं को सड़ने आदि से बचाने के लिए क्या कदम उठाये जाने का विचार है; और

(ग) क्या इस विकट स्थिति पर काबू पाने के लिए शीतागारों में अतिरिक्त शीत संयंत्रों को लगाये जाने हेतु कोई कदम उठाये जा रहे हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) से (ग). देश में कुछ राज्य बिजली की कमी अनुभव कर रहे हैं और यह स्थिति 1979 में मानसून के अभाव के कारण और भी गम्भीर हो गई थी जिसके परिणामस्वरूप एक ओर तो जल विद्युत् केन्द्रों से बिजली की उपलब्धता में कमी हो गई है तथा दूसरी ओर विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की मांग में वृद्धि हुई है । विद्युत विभाग ने कमी की अवधि में बिजली की आपूर्ति हेतु विभिन्न राज्य सरकारों को कुछेक मार्गदर्शक सिद्धान्त परिचालित किए हैं। इन मार्गदर्शक सिद्धान्तों में अनिवार्य उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर बिजली की आपूर्ति करने और उसके पश्चात् उपभोक्ताओं की अन्य श्रेणियों को वर्गीकृत प्राथमिकताओं की प्रणाली के अन्तर्गत बिजली की आपूर्ति करने की व्यवस्था है । कृषक उपभोक्ता तथा शीत भण्डारण संयंत्र अनिवार्य उपभोक्ताओं की पहली प्राथमिकता में शामिल है । तथापि, बिजली की कमी की वर्तमान स्थिति में अनेक बिजली बोर्ड अनिवार्य उपभोक्ताओं की भी सारी आवश्यकताओं को पूरा करने योग्य नहीं हो पाए हैं। जहां तक शीत-भंडारों को बिजली की आपूर्ति करने का सम्बन्ध है विभिन्न राज्य सरकारों के बिजली बोर्डों से यह अनुरोध किया गया है कि वे चालू शीत भण्डारों को नियमित बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा उन्हें विशेष मामले के रूप में बिजली की कटौती से छूट दें । जल के प्राकृतिक वाष्पीकरण द्वारा ठण्डे किए जाने वाले प्रशीतन कक्षों का विकास करने हेतु प्रयोग भी किए जा रहे हैं ।

Purchase of Onions from Maharashtra by NAFED

782. SHRI UTTAMRAO PATIL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the rate per quintal of onions which the NAFED has purchased from the Government of Maharashtra from July, 1979 to December, 1979.

(b) the margin of profit earned by NAFED during the same period; and the distribution system and selling price in Delhi; and

(c) whether Government propose to take action against the officials agencies who are responsible for this abnormal rise in the price of onions in Delhi during the said period, if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a). NAFED has made purchase of onions not from the Government of Maharashtra but from the farmers through cooperatives in the State. The purchase rates for the period from July to December, 1979 are given in the Statement

(b) NAFED has, instead of earning any profit in the sale of onions; incurred losses in such transactions during July—December; 1979. It arranged distribution through its own 10 Kiosks and 2 mobile vans. and 52 branches of Super-Bazar, in Delhi with effect from 13-9-1979. The retail price as fixed by NAFED from time to time are as follows:—

(Rs. Per kg.)

13-9-79	to	10-12-79	1.25
11-12-79	to	15-2-80	2 00
16-2-80	to	25-2-80	1.00

(c) As seen from answers to parts (a) and (b), NAFED was in no way responsible for the abnormal rise in the price of onions in Delhi during the said period. In fact it helped to contain the price rise. No official agencies were responsible for this rise in prices and therefore no action is contemplated against any one.

Statement

Month	Centre	Quantity purchased in M T	Rate range (per Quintal)
1	2	3	4
			Rs.
July '79	Lasalgaon	2008	85-115
	Pimpalgaon	997	82-115
	Saykheda	192	100-106
	Dindori	451	111-115
		3648	
August '79	Lasalgaon	1089	108-117
	Dindori	379	112-115
	Pimpalgaon	236	114-117
		1704	
September '79	Pimpalgaon	356	100-120
	Lasalgaon	198	111-113
	Dindori	146	110-115
		700	
October '79	Lasalgaon	125	165-181
November '79	Lasalgaon	1036	159-198
	Dhulia	453	155-194
		1489	

1	2	3	4
December '79	Lasalgaon	367	201-300
	Manmad	555	199-293
	Pimpalgaon	86	210-293
		1008	
	Grand Total . .	8674	

बिहार शरीफ, बिहार में सीधी डायल व्यवस्था

783. **श्री विजय कुमार यादव :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य के नालन्दा जिले में बिहारशरीफ, कस्बा जिला मुख्यालय है और वह देश में आलू का सबसे बड़ा व्यापारिक केन्द्र है;

(ख) क्या इस कस्बे में सीधी डायल व्यवस्था उपलब्ध न होने के कारण भारी असुविधा होती है;

(ग) क्या स्वचालित डायल व्यवस्था स्थापित करने के लिये यह कस्बा सभी आवश्यक शर्तों को पूरा करता है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस कस्बे मे स्वचालित डायल व्यवस्था स्थापित करने का है, और यदि हां, तो कब तक और यदि नही, तो उसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्री (श्री सी० एम० स्टीफन) : (क) से (ग). नालन्दा जिले के मुख्यालय नगर बिहारशरीफ को 480 लाइनों वाले हस्तचल एक्सचेंज द्वारा सेवा प्रदान की जाती है । 30-9-79 को 389 कनेक्शन चालू थे तथा प्रतीक्षा सूची में 14 आवेदक थे ।

इस प्रकार के सभी केन्द्रों में सरकार की इच्छा स्वचल एक्सचेंज स्थापित करने की है । परन्तु स्वचल स्विचिंग उपस्कर की सीमित उपलब्धता के कारण कुछ समय के लिये ऐसा करना सम्भव नहीं हो सकेगा । स्वचल स्विचिंग उपस्कर का उत्पादन एवं सप्लाई बढ़ाने के लिये कदम उठाये जा रहे हैं ।

(घ) वर्तमान स्थिति के अनुसार 1982-83 के बाद ही एक स्वचल एक्सचेंज की स्थापना पर विचार करना सम्भव हो सकेगा ।

बिहार में पटना सदर ब्लाक और बिहार शरीफ क्षेत्रों को उर्वरकों की सप्लाई

784. **श्री विजय कुमार यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में पटना सदर ब्लाक और बिहारशरीफ आलू, प्याज और अन्य सब्जियों के उत्पादन के सबसे बड़े केन्द्र हैं,

(ख) क्या यह भी सच है कि आलू, प्याज और सब्जियो के उत्पादन के लिए अमोनिया सल्फेट उर्वरकों की भारी मांग है; और

(ग) यदि हा, तो क्या सरकार का उपरोक्त क्षेत्रों का अमोनिया सल्फेट उर्वरको की सप्लाई करने में प्राथमिकता देने का विचार है ।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) बिहार में पटना सदर ब्लाक और बिहारशरीफ आलू, प्याज और सब्जियों के उत्पादन करने वाले महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं ।

(ख) सस्य विज्ञान की दृष्टि से नाइट्रोजन-युक्त उर्वरक आलू, प्याज तथा सब्जियों के लिए समान रूप से प्रभावी है । तथापि, जहां कहीं सल्फर की कमी होती है, वहां अमोनिमा सल्फेट के प्रयोग को वरीयता दी जाती है ।

(ग) उपरोक्त (क) तथा (ख) को दृष्टि में रखते हुए प्रश्न ही नहीं होता ।

Amendment in Seeds Act

786. **SHRI VIJAY N. PATIL:** Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the steps Government propose to take to reduce the exploitation of